10.5 cms

29.7 cms

English

CRYSTAL Inspiring Growth

Congratulations! You have chosen one of the finest Fodder Oat seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Fodder Oat seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding variety suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Fodder Oat seeds provide excellent germination & better vigor with tolerant to biotic & abiotic stresses. Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

	ULTRAFEED
Duartion	
Rabi (October- December)	~135 days (sowing to last cut).
Note-Crop growth & maturity may vary as per local weather conditions .	
Source of Irrigation	Irrigated
General recommendation	
Sowing	Sowing by tractor drawn seed drill, Drill sowing is preferred over broadcasting for efficient seed and fertilizer distribution.
Spacing	30 x 20 cm
Seed Rate (Normal planting)	30-40 kg/acre
	Note: Sowing time is an important factor governing germination & seedling growth.

Seed treatment	Thiram 75% WS + Deltamethrin 2.5% WP						
Nutirent Management	Use of FYM will improve soil health. Kindly ensure use of fertilizer as per crop stages.						
Recommended FYM, chemical and fertilizer dose per acre							
			FYM tonns/acre	**Nitrogen Kg/acre**	**Phosphorus Kg/acre**	**Potasium Kg/acre**	Regardless of fertilizer brand and combination, fertilizer should be use as per the recommeded dose with proper application method.
Fertilizer dose			2-3	30	20	0	
Application		Basal dose	2-3	15	20	0	
		1st Top dressing @ 35 DAS		7.5	0	0	
		2nd Top dressing @ 45 DAS		7.5	0	0	
Interculture Operation							
Irrigation	Oats requires 4-5 irrigations and it is crucial during the tillering stage. Irrigation immediately after each cutting is essential for good recovery and yield.						

Pest & Diseases								
	Insect/Diseases	time of incedence	Control measure					
	Insect/ Pest		Not major problem					
	Aphid	Vegitative to reproductive stage	Dimethoate 30 EC @ 0.03%					
	Crown and Stem Rusts	Vegitative to reproductive stage	Applying fungicides like carboxin or biological agents like Trichoderma viride can protect seeds and young plants.					
	leaf blotch and root rot	Vegitative to reproductive stage	Seed dressing with bio-fungicides or other approved treatments can control diseases like by reducing initial inoculum.					

Intercutivation	
	Field should be kept weed free up to 25 - 30 days after sowing.
Weed control	One or two hand weedings are sufficient for effective weed control. For persistent weeds, a combination of metsulfuron-methyl at 8 g/ha with one hand weeding has proven effective
Harvesting	
	Harvesting should be done when the crop is at the initiation of flowering for optimal quality and yield; First cutting usually done at 60-70 days after sowing and 2nd cutting 50-60 days after first cut
Do's	Follow all recommended production practices- Timely sowing, proper cutting management and irrigation after cutting . For getting better regrowth, harvest the crop at recommended days , Cutting height should be 6-8 cm .
Don'ts	Avoid water logging
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations releted to particular region, please contact your local State Agriculture Department.
Precaution	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.

HINDI

CRYSTAL Inspiring Growth

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार के सबसे उत्कृष्ट जई चारे के बीजों में से एक को चुना है. क्रिस्टल अच्छी गुणवत्ता वाले जई चारे के बीजों के उत्पादन का सशक्त अनुभव रखता है. इन बीजों को व्यापक शोध द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य अधिक उपज देने वाली ऐसी किस्में विकसित करना होता है, जो विभिन्न कृषि जलवायविक स्थितियों के अनुरूप हों. क्रिस्टल बीज उत्पादन के दौरान नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके यह सुनिश्चित करता है कि किसानों को मिलने वाले बीज उच्चतम गुणवत्ता के हों. क्रिस्टल का जई चारे का बीज अंकुरण में उत्कृष्ट और बढ़वार में बेहतर होने के साथ जैविक और अजैविक तनावों के प्रति सहनशील है. सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों को अपनाकर शानदार उपज पाएँ. हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कोई भी निर्णय लेने से पहले की गई निम्नलिखित सामान्य अनुशंसाओं को अवश्य पढ़ लें.

	अल्ट्राफीड
फसल की अवधि	
रबी (अक्टूबर-दिसंबर)	135 दिन (बुवाई से लेकर अंतिम कटाई तक).
ध्यान रखें : स्थानीय मौसम की स्थिति के अनुसार फसल की बढ़वार और परिपक्वता में भिन्नताएँ हो सकती हैं.	
सिंचाई का स्रोत	सिंचित
सामान्य सुझाव	
बुवाई	ट्रैक्टर चालित सीड ड्रिल से बुवाई करें. बीज और उर्वरक का अच्छाम वितरण सुनिश्चित करने के लिए छिंटाई करने की बजाय ड्रिल से बुवाई करना बेहतर रहता है.
अंतराल	30 x 20 cm
बीज दर (सामान्य बुवाई)	30-40 कि.ग्रा./एकड़
	ध्यान रखें : अंकुरण और पौध की बढ़वार नियंत्रित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक बुवाई का समय है.

बीजों का उपचार	थिरम 75% डब्ल्यूएस + डेल्टामेथिन 2.5% डब्ल्यूपी						
पोषक तत्व प्रबंधन	गोबर की खाद के उपयोग से मृदा के स्वास्थ्य में सुधार आता है. कृपया उर्वरक का उपयोग फसल की अवस्थाओं के अनुसार करें.						
गोबर की खाद, रसायनों और उर्वरक की प्रति एकड़ अनुशंसित मात्रा							
			गोबर की खाद टन/एकड़	**नइट्रोजन कि.ग्रा./एकड़**	**फॉस्फोरस कि.ग्रा./एकड़**	**पोटेशियम कि.ग्रा./एकड़**	उर्वरक का ब्रांड और संयोजन चाहे जो भी हो, उचित प्रयोग विधि के साथ अनुशंसित मात्रा में ही उर्वरक का उपयोग किया जाना चाहिए.
उर्वरक की मात्रा			2-3	30	20	0	
प्रयोग		मूल मात्रा	2-3	15	20	0	
		बुवाई के 35 दिन बाद पहली टॉप ड्रेसिंग करें		7.5	0	0	
		बुवाई के 45 दिन बाद दूसरी टॉप ड्रेसिंग करें		7.5	0	0	
अंतर-शस्य क्रियाएँ							
सिंचाई	जई के लिए 4 से 5 सिंचाई की आवश्यकता होती है और कल्ले निकलने की अवस्था के दौरान जरूरी होती है. कटाई बाद फिर से अच्छी बढ़वार और उपज के लिए प्रत्येक कटाई के तुरंत बाद सिंचाई करना जरूरी है.						

कीट एवं रोग			
	कीट/रोग	प्रकोप का समय	नियंत्रण उपाय
	कीट/पीड़क		कोई बड़ी समस्या नहीं
	एफिड	वानस्पतिक अवस्था से लेकर प्रजनन अवस्था तक	0.03% की दर से डाइमेथोएट 30 ईसी
	क्राउन और स्टेम रस्ट	वानस्पतिक अवस्था से लेकर प्रजनन अवस्था तक	बीजों और नन्हें पौधों की सुरक्षा के लिए कार्बाक्सिन जैसे कवकनाशी या ट्राइकोडर्मा विराइड जैसे जैविक एजेंटों का प्रयोग किया जा सकता है.
	लीफ ब्लॉच और रूट रॉट	वानस्पतिक अवस्था से लेकर प्रजनन अवस्था तक	जैव-कवकनाशी या अन्य अनुमोदित उपचारों से बीजों का उपचार कर, इस प्रकार प्रारंभिक रोगजनकों को कम कर रोगों को नियंत्रित किया जा सकता है.

निराई-गुड़ाई	
	बुवाई के 25-30 दिन बाद तक खेत को खरपतवारों से मुक्त रखना चाहिए.
खरपतवार नियंत्रण	प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिए हाथ से एक या दो बार निराई करना पर्याप्त होता है. बार-बार उगने वाले खरपतवारों के लिए, 8 ग्राम/हेक्टेयर की दर से मेटसल्फ्यूरॉन-मिथाइल का मिश्रण और हाथ से एक निराई असरदार साबित होती है.
कटाई	
	सबसे अच्छी गुणवत्ता और उपज के लिए फसल की कटाई तब करनी चाहिए जब उसमें फूल आने लगें; पहली कटाई आमतौर पर बुवाई के 60-70 दिन बाद और दूसरी कटाई पहली कटाई के 50-60 दिन बाद की जानी चाहिए.
क्या करें	सभी अनुशंसित उत्पादन पद्धतियों का पालन करें - समय पर बुवाई करें, उचित कटाई प्रबंधन करें और कटाई बाद सिंचाई करें। कटाई बाद फिर से अच्छी बढ़वार पाने के लिए, अनुशंसित दिनों पर फसल की कटाई करें, कटाई की ऊँचाई 6-8 से.मी. रखनी चाहिए.
क्या न करें	पानी न ठहरने दें
ध्यान दें	उपर्युक्त जानकारी एक सामान्य परामर्श है. किसी विशेष क्षेत्र से संबंधित विशिष्ट अनुशंसाओं के लिए, कृपया अपने स्थानीय राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें.
सावधानियाँ	फसल की बढ़वार और उपज पर विभिन्न कारकों का प्रभाव पड़ सकता है. इसलिए, अपने स्थानीय राज्य कृषि विभाग से सलाह अवश्य लें. हमेशा केवल अच्छी गुणवत्ता वाले उर्वरकों और कीटनाशकों का ही उपयोग करें. बीज, उर्वरक और कीटनाशकों की खरीद के बिल संभाल कर रखें.

PUNJABI

CRYSTAL Inspiring Growth

ਵਧਾਈਆਂ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਫੋਡਰ ਜਵੀ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਨੂੰ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੋਲ ਉੱਚ-ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਫੋਡਰ ਜਵੀ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ, ਜਿਸਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਸੰਬੰਧੀ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਲਵਾਯੂ ਲਈ ਢੁਕਵੀਆਂ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀ ਕਿਸਮ ਨੂੰ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀਆਂ ਨੂੰ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਉੱਚਤਮ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਦੇ ਫੋਡਰ ਜਵੀ ਦੇ ਬੀਜ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਪੁੰਗਰਣ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਸ਼ਕਤੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਅਜੈਵਿਕ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਪ੍ਰਤਿਰੋਧੀ ਹਨ। ਵਧੀਆ ਉਪਜ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਨੂੰ ਅਪਣਾਓ। ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਆਮ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹਨਾਂ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਨ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ।

	ਅਲਟਰਾਫੀਡ
ਮਿਆਦ	
ਹਾੜ੍ਹੀ (ਅਕਤੂਬਰ- ਦਸੰਬਰ)	135 ਦਿਨ (ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਆਖਰੀ ਕੱਟ ਤੱਕ).
ਨੋਟ ਕਰੋ-ਫ਼ਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਸਥਾਨਕ ਮੌਸਮੀ ਸਥਿਤੀਆਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ।	
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸ੍ਰੋਤ	ਸਿੰਚਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ
ਆਮ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ	
ਬਿਜਾਈ	ਟ੍ਰੈਕਟਰ ਨਾਲ ਖਿੱਚੀ ਗਈ ਬੀਜ ਡ੍ਰਿੱਲ ਦੁਆਰਾ ਬਿਜਾਈ, ਕੁਸ਼ਲ ਬੀਜ ਅਤੇ ਖਾਦ ਵੰਡ ਲਈ ਪ੍ਰਸਾਰਣ ਨਾਲੋਂ ਡ੍ਰਿੱਲ ਬਿਜਾਈ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
ਦੂਰੀ	30 x 20 cm
ਬੀਜ ਦਰ (ਆਮ ਬਿਜਾਈ)	30-40 ਕਿਗ੍ਰਾ/ਏਕੜ
	ਧਿਆਨ ਦਿਓ: ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਸਮਾਂ ਪੁੰਗਰਣ ਅਤੇ ਪਨੀਰੀ ਦੇ ਵਾਧੇ ਨੂੰ ਨਿਯੰਤ੍ਰਿਤ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਕਾਰਕ ਹੈ।

ਬੀਜ ਉਪਚਾਰ	ਥੀਰਮ 75% ਡਬਲਿਊ.ਐਸ. + ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 2.5% ਡਬਲਿਊ.ਪੀ.						
ਪੌਸ਼ਟ ਪ੍ਰਬੰਧਨ	ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਸਿਹਤ ਵਿੱਚ ਸੁਧਾਰ ਕਰੇਗੀ। ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੇ ਪੜਾਵਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਖਾਦ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ।						
ਰੂੜੀ, ਰਸਾਇਣਕ ਅਤੇ ਖਾਦ ਦੀ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਖੁਰਾਕ							
			ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਟਨ/ਏਕੜ	**ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ**	**ਫਾਸਫੋਰਸ ਕਿਲੋ/ਏਕੜ**	**ਪੋਟਾਸ਼ੀਅ ਕਿਲੋ/ਏਕੜ**	ਖਾਦ ਦੇ ਬ੍ਰਾਂਡ ਅਤੇ ਸੁਮੇਲ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਕੀਤੇ ਬਿਨਾਂ, ਖਾਦ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਖੁਰਾਕ ਅਨੁਸਾਰ ਅਤੇ ਵਰਤੋਂ ਦੀ ਸਹੀ ਵਿਧੀ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
ਖਾਦ ਦੀ ਖੁਰਾਕ			2-3	30	20	0	
ਉਪਯੋਗ		ਬੇਸਲ ਖੁਰਾਕ	2-3	15	20	0	
		ਪਹਿਲੀ ਸਿਖਰਲੀ ਡ੍ਰੈਸਿੰਗ @ ਬਿਜਾਈ ਦੇ 35 ਦਿਨ ਬਾਅਦ		7.5	0	0	
		ਦੂਜੀ ਸਿਖਰਲੀ ਡ੍ਰੈਸਿੰਗ @ ਬਿਜਾਈ ਦੇ 45 ਦਿਨ ਬਾਅਦ		7.5	0	0	
ਅੰਤਰ-ਖੇਤੀ ਕਾਰਜ							
ਸਿੰਚਾਈ	ਜਵੀ ਨੂੰ 4-5 ਸਿੰਚਾਈਆਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਪੌਦਾ ਬਣਨ ਦੇ ਪੜਾਅ ਦੌਰਾਨ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਹਰ ਕਟਾਈ ਤੋਂ ਤੁਰੰਤ ਬਾਅਦ ਸਿੰਚਾਈ ਚੰਗੀ ਬਹਾਲੀ ਅਤੇ ਝਾੜ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।						

ਕੀਟ ਅਤੇ ਬਿਮਾਰੀਆਂ								
	ਕੀੜਾ/ਬਿਮਾਰੀਆਂ	ਪੌਦੇ ਉਗ਼ਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਨਿਯੰਤ੍ਰਣ ਉਪਾਅ					
	ਕੀੜੇ/ਕੀਟ		ਵੱਡੀ ਸਮੱਸਿਆ ਨਹੀਂ					
	ਤੇਲਾ (ਐਫਿਡ)	ਵਨਸਪਤੀਕ ਤੋਂ ਪ੍ਰਜਨਨ ਪੜਾਅ	ਡਾਈਮੈਥੋਏਟ 30 ਈ.ਸੀ. @ 0.03%					
	ਕ੍ਰਾਊਨ ਅਤੇ ਸਟੈਮ ਜੰਗਾਲ	ਵਨਸਪਤੀਕ ਤੋਂ ਪ੍ਰਜਨਨ ਪੜਾਅ	ਕਾਰਬੈਂਕਸਿਨ ਵਰਗੇ ਉੱਲੀਨਾਸ਼ਕ ਜਾਂ ਟ੍ਰਾਈਕੋਡਰਮਾ ਵਾਇਰਡ ਵਰਗੇ ਜੈਵਿਕ ਏਜੰਟ ਲਗਾਉਣ ਨਾਲ ਬੀਜਾਂ ਅਤੇ ਛੋਟੇ ਪੌਦਿਆਂ ਦੀ ਰੱਖਿਆ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ।					
	ਪੱਤਾ ਚਟਾਕ ਅਤੇ ਜੜ੍ਹ ਸੜਨ	ਵਨਸਪਤੀਕ ਤੋਂ ਪ੍ਰਜਨਨ ਪੜਾਅ	ਜੈਵਿਕ-ਉੱਲੀਨਾਸ਼ਕਾਂ ਜਾਂ ਹੋਰ ਪ੍ਰਵਾਨਿਤ ਇਲਾਜਾਂ ਨਾਲ ਬੀਜ ਦੀ ਡ੍ਰੈਸਿੰਗ ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਇਨੋਕੁਲਮ (ਸੂਖਮ ਜੀਵਾਂ) ਨੂੰ ਘਟਾ ਕੇ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਕੰਟ੍ਰੋਲ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ।					

ਅੰਤਰ-ਖੇਤੀ	
	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ 25-30 ਦਿਨਾਂ ਤੱਕ ਖੇਤ ਨੂੰ ਨਦੀਨ ਮੁਕਤ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
ਨਦੀਨ ਨਿਯੰਤ੍ਰਣ	ਨਦੀਨਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਨਿਯੰਤ੍ਰਣ ਲਈ ਇੱਕ ਜਾਂ ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥੀਂ ਨਦੀਨ ਕੱਢਣਾ ਕਾਫ਼ੀ ਹੈ। ਚਿੱਕੀ ਨਦੀਨਾਂ ਲਈ, ਇੱਕ ਵਾਰ ਹੱਥੀਂ ਨਦੀਨ ਕੱਢਣ ਨਾਲ 8 ਗ੍ਰਾਮ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਮੈਟਸਲਫ਼ੁਰੋਨ-ਮਿਥਾਈਲ ਦਾ ਸੁਮੇਲ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਸਾਬਤ ਹੋਇਆ ਹੈ
ਕਟਾਈ	
	ਅਨੁਕੂਲ ਗੁਣਵੱਤਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਲਈ ਵਾਢੀ ਉਦੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਜਦੋਂ ਫਸਲ ਵਿੱਚ ਫੁੱਲਾਂ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਹੋਵੇ; ਪਹਿਲੀ ਕਟਾਈ ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 60-70 ਦਿਨਾਂ ਬਅਦ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਜੀ ਕਟਾਈ ਪਹਿਲੀ ਕਟਾਈ ਤੋਂ 50-60 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ
ਇਹ ਕਰੋ	ਸਾਰੇ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੇ ਉਤਪਾਦਨ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰੋ - ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਬਿਜਾਈ, ਸਹੀ ਕਟਾਈ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਅਤੇ ਕਟਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸਿੰਜਾਈ। ਬਿਹਤਰ ਪੁਨਰ-ਵਾਧੇ ਲਈ, ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੇ ਦਿਨਾਂ 'ਤੇ ਕਰੋ, ਕਟਾਈ ਦੀ ਉਚਾਈ 6-8 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
ਇਹ ਨਾ ਕਰੋ	ਪਾਣੀ ਇਕੱਠਾ ਹੋਣ ਦੇਣ ਤੋਂ ਬਚੋ
ਨੋਟ ਕਰੋ	ਉਪਰੋਕਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਇੱਕ ਆਮ ਸਲਾਹ ਹੈ। ਖਾਸ ਇਲਾਕੇ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।
ਸਾਵਧਾਨੀ	ਫ਼ਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਕਈ ਕਾਰਕਾਂ ਦੁਆਰਾ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲੈਣ ਦੀ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਉੱਚ-ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜਾਂ, ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦਾ ਬਿੱਲ ਆਪਣੇ ਕੋਲ ਰੱਖੋ।